Fakir Mohan College, Balasore

Fakir Mohan College was established on 6 July, 1944. The college, initially known as Baleshwar College, was started as a second grade college with 96 seats for Intermediate in Arts course. In 1946, the Bachelor of Arts class was introduced and Intermediate in Science was introduced in 1948. Ultimately, after more than a decade, the Bachelor of Science class was started in 1961-62.

Now the institution provides education up to post-graduate level in Arts, Science and Commerce. To accommodate the increasing demand for courses and student enrolment, separate blocks were constructed and infrastructure strengthened. It is a full-fledged Graduate and a growing Post-Graduate College, affiliated to Fakir Mohan University, Balasore. Located in the heart of Balasore City, the institution has relentlessly fostered learning and academic excellence, building up a huge corpus of illustrious alumni over the years. The Baleshwar College was the only institution of the type in the whole of the district in the pre-independence era. The College initially operated from the premises of the erstwhile Zilla School, until the School was shifted in 1961 to its new building. The College was renamed as Fakir Mohan College in 1949 after the eminent Oriya poet and novelist late Fakir Mohan Senapati who was the son of the soil.

In 1999, the Institute was granted Autonomous status by the U.G.C. and in 2001, the +2 wing was separated. At present, Fakir Mohan Autonomous College has a student strength of 3500 covering Arts, Science and Commerce streams. Post-Graduate courses in Commerce commenced from 1979-80 followed later by P.G. in Mathematics, Physics, Political Science, Odia, Botany, Hindi and Psychology. Courses in self-financed mode are offered in Computer Science, Bachelor of Business Administration and 4-year Integrated Bachelor of Education course along with the skill development programme, Diploma in Tourism & Hospitality Management. In the current session, the UGC has also approved the course of Bachelor of Vocational Education.

Significant milestones in the journey of the College include accreditation by NAAC in 2006 with B++ and re-accreditation in 2014. In 2006, the Institution was declared a centre with Potential for Excellence. Presently, the Institution is in readiness for the third cycle of re-accreditation. The college serves as a nodal centre for supervision and implementation of various Government schemes and policies of the region.

The Vision of the College is to foster holistic development through academic excellence in teaching, learning and research; to inculcatie appreciation for arts and culture and to help imbibe humanistic values along with consciousness of the importance of physical wellness. The Mission of the College inter alia is to nurture through continuous academic engagement, to inculcate values, rational approach, management and leadership skills; to encourage development through research activities, colloquium and workshops for faculty members; to encourage active participation in co-curricular activities; to encourage fitness of mind and body through participation in games and sports, yoga and meditation; and to provide a transformative journey leading to holistic development.

The College has completed 75 years of its establishment this year. Department of Posts is pleased to issue a Commemorative Postage Stamp on Fakir Mohan College, Balasore.

Credits:

Stamp/ FDC/ Brochure : Smt. Vinita Sinha

Cancellation Cachet : Smt. Alka Sharma

Text : Based on information received from the proponent

भारतीय डाक विभाग
Department of Posts
India

फकीर मोहन कॉलेज, बालासोर
Fakir Mohan College, Balasore

विवरणिका
BROCHURE

फकीर मोहन कॉलेज, बालासोर

फकीर मोहन कॉलेज की स्थापना 6 जुलाई, 1944 को हुई। इस कॉलेज को प्रारंभ में बालेश्वर कॉलेज के नाम से जाना जाता था। इसकी शुरुआत द्वितीय ग्रेड के कॉलेज के रूप में हुई, जिसमें इंटरमीडिएट कला पाठ्यक्रम की 96 सीटें थीं। 1946 में इस कॉलेज में स्नातक का पाठ्यक्रम प्रारंभ हुआ और 1948 में इंटरमीडिएट विज्ञान पाठ्यक्रम की शुरुआत हुई। कॉलेज की स्थापना के लगभग एक दशक के बाद वर्ष 1961–62 में यहां विज्ञान स्नातक का पाठ्यक्रम आरंभ हुआ।

वर्तमान में यह संस्थान कला, विज्ञान और वाणिज्य विषयों में स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा की सुविधा प्रदान करता है। बढ़ते पाठ्यक्रमों और अधिक से अधिक संख्या में छात्रों के नामांकन को ध्यान में रखते हुए कॉलेज में अलग–अलग ब्लॉकों का निर्माण किया गया और यहां की बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ बनाया गया। आज यह कॉलेज स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का सुस्थापित शिक्षा संस्थान है और फकीर मोहन विश्वविद्यालय, बालासोर से संबद्ध है। बालासोर शहर के मध्य में स्थित इस संस्थान ने सदा ही विद्यार्जन एवं श्रेष्ठता को प्रोत्साहित किया है और यहां से शिक्षा प्राप्त कर चुके यशस्वी छात्र विभिन्न क्षेत्रों में प्रख्यात हुए हैं। स्वतंत्रता–पूर्व दौर में, बालेश्वर कॉलेज पूरे जिले में अपनी प्रकार का एक मात्र संस्थान था। शुरुआती दौर में यह कॉलेज पूर्ववर्ती जिला स्कूल के परिसर से संचालित हुआ। 1961 में इस स्कूल को नए भवन में स्थानांतरित कर दिया गया। 1949 में इस कॉलेज का नाम बदलकर प्रख्यात एवं लोकप्रिय उड़िया कवि और उपन्यासकार स्व. फकीर मोहन सेनापति के नाम पर रखा गया।

1999 में इस संस्थान को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा स्वायत्तशासी संस्थान का दर्जा प्रदान किया गया और 2001 में इसकी +2 शाखा को अलग कर दिया गया। वर्तमान में फकीर मोहन स्वायत्तशासी कॉलेज में कला, विज्ञान और वाणिज्य पाठ्यक्रमों में कुल 3500 छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। 1979–80 में इस कॉलेज में वाणिज्य में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ हुआ। इसके बाद, गणित, भौतिकी, राजनीति शास्त्र, उड़िया, वनस्पति विज्ञान, हिंदी और मनोविज्ञान में भी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ हुए। इस कॉलेज में कंप्यूटर साइंस, व्यवसाय प्रबंधन में स्नातक तथा 4 वर्षीय शिक्षा स्नातक एकीकृत कार्यक्रम के साथ–साथ कौशल विकास कार्यक्रम और पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन में डिप्लोमा जैसे कार्यक्रम स्व–वित्त आधार पर संचालित किए जाते हैं। वर्तमान सत्र में, यूजीसी ने व्यावसायिक शिक्षा स्नातक पाठ्यक्रम को भी मंजूरी दे दी है।

इस कॉलेज ने अपने अब तक के सफर में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं, जैसे 2006 में एनएएसी द्वारा इसे B++ का दर्जा प्रदान किया गया और 2014 में इसका पुनः प्रमाणन किया गया। 2006 में इस संस्थान को उत्कृष्टता की संभावना से परिपूर्ण केंद्र (सेंटर विद पोटेंशियल फॉर एक्सीलेंस) घोषित किया गया। वर्तमान में यह संस्थान पुनः प्रत्यायन के तीसरे चरण के लिए तैयार है। यह कॉलेज बालासोर क्षेत्र में सरकार की विभिन्न योजनाओं और नीतियों के पर्यवेक्षण और कार्यान्वयन के प्रयोजन से नोडल केंद्र की भूमिका भी निभाता है।

इस कॉलेज का दृष्टि–दर्शन शिक्षण, अध्ययन और अनुसंधान के क्षेत्र में अकादमिक उत्कृष्टता के माध्यम से छात्रों के संपूर्ण विकास का लक्ष्य प्राप्त करना है, ताकि ये छात्र कला एवं संस्कृति के महत्व को समझें और उनमें शारीरिक स्वास्थ्य को लेकर सजग रहने के साथ–साथ मानवतावादी मूल्य भी सुस्थापित हों। इस कॉलेज का मिशन बहुआयामी है। इसके दायरे में सतत अकादमिक कार्यकलापों के माध्यम से छात्रों को नैतिक मूल्य, तार्किक दृष्टिकोण, प्रबंधन और नेतृत्व कौशल के गुणों से संपन्न करने के साथ–साथ शोध संबंधी कार्यकलापों को बढ़ावा देना और साथ ही शिक्षकगणों के लिए विचार मंच तथा कार्यशालाओं का आयोजन करना, पाठ्येतर कार्यकलापों में सक्रिय प्रतिभागिता और खेल–कूद, योग एवं ध्यान के माध्यम से स्वस्थ तन के साथ स्वस्थ मन की अवधारणा को प्रोत्साहित करना और इन सबके समन्वित प्रयासों से छात्रों के समग्र विकास के मार्ग को प्रशस्त करना शामिल है।

इस कॉलेज ने इस वर्ष अपनी स्थापना के 75 सफल वर्ष पूरे किए हैं। डाक विभाग, फकीर मोहन कॉलेज, बालासोर पर एक स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :

डाक–टिकट / प्रथमदिवस आवरण / सूचना विवरणिका : श्रीमती विनीता सिन्हा

विरूपण कैशे : श्रीमती अलका शर्मा

पाठ : प्रस्तावक से प्राप्त सूचना पर आधारित

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्य वर्ग	: 500 पैसा
Denomination	: 500 p
मुद्रित डाक-टिकटें	: 601880
Stamps Printed	: 601880
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at
http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य: ₹ 5.00